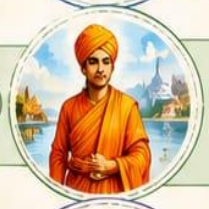
गद्य विभाग

इस विभाग में पढ़ेंगे

1.  मधुर भाषण .....

2.  बोध .....

3.  देशप्रेमी संन्यासी .....

4.  गिल्लू .....

5.  जननी जन्मभूमि .....

साहित्य जीवन को दिशा देता है, विचारों को ऊँचाई और मन को संस्कार देता है।

विचारों की शक्ति से ही जीवन की दिशा और दशा बदलती है।

मधुर भाषण

- **अधिगम उद्देश्य :**

पाठ के अन्त में विद्यार्थी–

लेखक गुलाब राय का संक्षिप्त परिचय बता सकेंगे।

- मधुर भाषण का अर्थ एवं महत्व समझ सकेंगे।
- मधुर वाणी के लाभ और कटुवाणी की हानि बता सकेंगे।
- अपने व्यवहार में विनम्र एवं मधुर भाषा का प्रयोग करने के लिए प्रेरित होंगे।
- शिष्टाचार का महत्व समझ सकेंगे।
- विनम्रता और मधुर व्यवहार को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित होंगे।

पूर्वज्ञान :

विद्यार्थी शिष्टाचार, नम्रता एवं मधुर व्यवहार से परिचित हैं, की नहीं उस पर ध्यान देना आवश्यक है।

शिक्षण सामग्री:

- ✓ पाठ्य पुस्तक
- ✓ श्यामपट एवं चॉक
- ✓ लेखक का चित्र
- ✓ चार्ट
- ✓ शब्द कार्ड
- ✓ शिक्षण प्रक्रिया

(क) प्रस्तावना

शिक्षक विद्यार्थियों से प्रश्न पूछें–

1-हम दूसरों से कैसे बात करनी चाहिए?

2-क्या कठोर वाणी से मित्र बनते हैं?

3-मधुर वाणी से क्या लाभ मिलता है?

(ख) प्रस्तुतीकरण

- शिक्षक आदर्श वाचन करेंगे।
- विद्यार्थी अनुकरण वाचन करेंगे।
- कठिन शब्दों के अर्थ समझाए जाएँगे।
- अनुच्छेद का भावार्थ स्पष्ट किया जाएगा।

शिक्षण बिंदु:

लेखक परिचय

- ❖ शिष्टाचार का महत्व
- ❖ कृपया और धन्यवाद का प्रयोग
- ❖ दूसरों के स्वाभिमान का सम्मान
- ❖ प्रसन्नता से काम करना
- ❖ विनम्रता से मना करने की कला
- ❖ मधुर भाषण का अर्थ
- ❖ मधुर वाणी का महत्व

कठिन शब्द एवं अर्थ:

मधुर – मीठा

विनय – नम्रता

कटु – कठोर

अहंकार – घमंड

शिष्ट – भद्र

आत्मीयता– निजीपन

विचार-बोध

- ✓ मधुर वाणी मनुष्य का सबसे बड़ा गुण है।
- ✓ मीठी वाणी से प्रेम, सम्मान और मित्रता बढ़ती है।
- ✓ कटु भाषा से शत्रुता और दुःख बढ़ता है।
- ✓ सरलता, सत्य और विनम्रता से जीवन सफल बनता है।
- ✓ मूल्यांकन प्रश्न:

(i) बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. भाषा द्वारा किसकी रक्षा होती है?

(A) आत्मीयता
(C) मन और कर्म
(B) ज्ञान और अनुभव
(D) भद्रता

2. 'मधुर भाषण' निबंध के लेखक कौन हैं?

(A) प्रेमचंद
(C) गुलाबराय
(B) सूर्यकांत
(D) कालिदास

3. किसकी दो लातें भी सहन की जाती हैं?

(A) बैल
(C) घोड़ा
(B) दुधारू गाय
(D) भैंस

4. किसकी रक्षा सज्जन का पहला कर्तव्य है?

(A) धर्म
(C) लोगो के स्वाभिमान
(B) जीवन
(D) शिक्षा

5. किसके लिए वचन पहली सीढ़ी हैं?

(A) धर्म
(B) मन
(C) कर्म
(D) व्यापार

6) गुलाब राय का जन्म कब और कहां हुआ था ?

(A) 1888 इटावा (B) 1872 कोलकाता

(C) 1895 इलाहाबाद (D) 1890 उत्तर प्रदेश

(7) कौनसी भाषा भय और आतंक का परिमार्जन कर देती है ?

(A) कटु (B) मधुर

(C) कड़वी (D) सटीक भाषा

(8) मनुष्य कब श्रेष्ठ बनता है ?

(A) भाषा की शालीनता पर (B) वचन के अनुकूल कर्म करने पर

(C) वार्तालाप की शिष्टता से (D) सामाजिक व्यवहार पर

(9) मनुष्य की पोशाक और चाल ढाल का प्रभाव किस पर पड़ता है ?

(A) विवेक (B) संस्कृति

(C) समाज (D) वंशपरम्परा

(10) हृदय की मलिनता किसके साथ संयोग नहीं हो सकता?

(A) मधुर वचनों (B) मधुर व्यवहार

(C) मधुर वार्तालाप (D) हृदय की आत्मीयता

(11) किससे मनुष्य की कुल परम्परा का परिचय मिलता है?

(A) धन दौलत (B) मान सम्मान

(C) मधुर वार्तालाप (D) उच्च शिक्षा

(12) किसका जादू बड़ा जबर्दस्त होता है ?

(A) संगीत (B) शब्दों

(C) मधुर वचनों (D) कोयल

13. कोयल काको देत है कागा कासो लेत - किसने कहा

(A) सूरदास (B) बाणभट्ट

(C) प्रेमचन्द (D) तुलसीदास

(14) वाणी की मधुरता के साथ विनय पूर्ण व्यवहार को क्या कहलाता है ?

(A) शिष्टाचार (B) सदाचार

(C) भद्रता (D) शालीनत

15 - कादम्बरी किसने लिखा ?

(A) बाणभट्ट (B) कालिदास

(C) तुलसीदास (D) मैथिलि शरण गुप्त

(16) किसके लिए वचन पहली सीढी है ?

(A) धर्म (B) मन

(C) कर्म (D) व्यापार

(17) कौन-सी भाषा भय और आतंक का परिमार्जन कर देती है ?

(A) कटु (B) मधुर

(C) कड़वी (D) सख्त भाषा

(18) कृपया शब्द किसका परिचायक है ?

(A) अधिकार (B) शिष्टता

(C) क्रोध (D) अभिमान

19 - इनकार करते समय क्या प्रकट करना चाहिए ?

(A) अभिमान (B) क्रोध

(C) खेद (D) उपेक्षा

20 -व्यावसायिक वार्तालाप कैसी होनी चाहिए ?

A – कठोर (B) नपी-तुली एंव शिष्ट

C – लंबी (D) क्रोध पूर्ण

21 - मधुर भाषण पाठ के लेखक का किस प्रदेश में जन्म हुआ था ?

(A) पश्चिमबंग (B) मध्यप्रदेश

(C) कर्नाटक (D) उत्तरप्रदेश

22 - मधुर भाषण का अर्थ क्या है ?

A) ऊँची आवाज में बोलना(B) मीठी और विनम्र वाणी से बोलना

(C) कम बोलना (D) तेज़ बोलना

23 - मधुर वाणी से क्या बढ़ता है ?

(A) झगड़ा (B) प्रेम और सम्मान

(C) धर् (D) ईर्ष्या

24 - किस शब्द का प्रयोग शिष्टाचार का परिचायक है ?

(A) धन्यवाद (B) कृपया

(C) दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

लघु उत्तरीय प्रश्न -

1-वार्तालाप में व्यापारिक बातचीत और निजी बातचीत में क्या अंतर है? पाठ मधुर भाषण के आधार पर लिखिए।

2 - बाणभट्ट ने अपने छोटे लड़के को पुस्तक पूरी करने के लिए क्यों कहा?

3 - वार्तालाप की शिष्टता से क्या क्या लाभ मिलता?

4 - भाषा के द्वारा मनुष्य ने किस प्रकार की उन्नति की है?

5 - किन गुणों के कारण मनुष्य आदर का भाजन बनता है?

6 - मधुर वचन और कटुवचन बोलने वालों को क्या मिलता है? मधुर भाषण पर लिखिए।

"शिक्षक के उद्देश्य से":

- ✓ विद्यार्थियों को मधुर भाषण का महत्त्व समझाना
- ✓ शिष्टाचार एवं विनम्र व्यवहार का विकास करना
- ✓ मधुर भाषा के प्रयोग के लिए प्रेरित करना
- ✓ "विनम्रता शिष्टाचार और मधुर व्यवहार ही सच्चे नागरिक की पहचान है।" इन्हीं भावनाओं को बच्चे के अन्दर में घुसाना





31 जुलाइ 1880 बनारस के पास लमडी ग्राम,
मृत्यु-8 अक्टोबर 1936

प्रारम्भीक शिक्षा मदर में,919 में अंग्रेजी,पारसी और इतिहास से बिए





माता/पिता-आनन्दी देबी/मुंसी

- **शिक्षक के पद की गरिमा:** यह कहानी सिखाती है कि अध्यापन एक अत्यंत पवित्र और आदरणीय पेशा है, जिसका सम्मान केवल धन-दौलत से नहीं बल्कि निस्वार्थ सेवा से आंका जाता है।
- **सच्चा सम्मान बनाम भय:** भय या पद के दबाव से मिला आदर क्षणिक होता है, जबकि चरित्र, ज्ञान और सदभावना से अर्जित सम्मान स्थाई और हृदयस्पर्शी होता है।

पाठ का सामान्य परिचय (Overview)

विषय	विवरण
कक्षा एवं बोर्ड	कक्षा 10वीं, BSE ओडिशा (Board of Secondary Education, Odisha)
पुस्तक का नाम	हिंदी सौरव (Hindi Sourav)
पाठ का नाम	पाठ - 2: **'बोध'**
विधा	कहानी
लेखक	मुंशी प्रेमचंद

शिक्षण के उद्देश्य (Learning Objectives)

- **ज्ञानात्मक उद्देश्य:**
  - विद्यार्थियों को मुंशी प्रेमचंद के जीवन एवं उनकी लेखन शैली से परिचित कराना।
  - कहानी के पात्रों (पंडित अलोपीदीन / पंडित चंद्रधर, ठाकुर अतिबल सिंह, मुंशी बैजनाथ आदि) के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के चरित्र को समझाना।
- **भावात्मक उद्देश्य:**
  - विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, आदर-सत्कार, कर्तव्य परायणता और मानवीयता की भावना का विकास करना।
  - यह बोध कराना कि केवल पद और धन से सम्मान नहीं मिलता, बल्कि चरित्र और सेवा भावना से सच्चा आदर प्राप्त होता है।
- **कौशलात्मक उद्देश्य:**
  - विद्यार्थियों के वाचन (Reading), अभिव्यक्ति (Expression) एवं विश्लेषण (Critical Thinking) कौशल को बेहतर बनाना।

3. आवश्यक शिक्षण सहायक सामग्री (TLM)

- **पाठ्यपुस्तक:** 'हिंदी सौरव' (कक्षा 10)
- **श्यामपट्ट (Blackboard) / फ़्लैश कार्ड:** कठिन शब्दों के अर्थ एवं मुख्य पात्रों के नाम अंकित करने के लिए।
- **लेखक परिचय चार्ट:** मुंशी प्रेमचंद का संक्षिप्त जीवन परिचय एवं उनकी प्रमुख रचनाएँ।

4. चरणबद्ध शिक्षण योजना (Lesson Execution Plan)

1.भूमिका एवं पूर्व ज्ञान परीक्षण (Introductory Phase):

- **शिक्षक गतिविधि:** विद्यार्थियों से सामान्य प्रश्न पूछकर पाठ से जोड़ें।
  - *उदाहरण:* "समाज में कौन-कौन से पेशे (Professions) आदरणीय माने जाते हैं?" या "सच्चे आदर और डर से दिए गए आदर में क्या अंतर है?"
- **पाठ की घोषणा:** "आज हम मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित प्रसिद्ध कहानी **'बोध'** पढ़ेंगे।"

2.लेखक परिचय एवं वाचन (Reading & Context):

- **लेखक परिचय:** मुंशी प्रेमचंद जी के उपन्यास सम्राट होने, उनकी यथार्थवादी शैली तथा सामाजिक सरोकारों के बारे में संक्षेप में बताएँ।
- **आदर्श वाचन (Model Reading):** शिक्षक द्वारा उचित लय, आरोह-अवरोह और भाव के साथ कहानी के मुख्य अंशों का पठन।
- **अनुकरण वाचन (Guided Reading):** विद्यार्थियों से बारी-बारी से सस्वर वाचन करवाएँ और उच्चारण संबंधी त्रुटियों को सुधारें।

3.कथा-सार एवं व्याख्या (Explanation Phase):

- **कहानी का मूल सार:**
    - **मुख्य पात्र:** पंडित चंद्रधर (कम वेतन पाने वाले शिक्षक), मुंशी बैजनाथ (सिपाही/मुंशी), ठाकुर अतिबल सिंह (दारोगा)।
    - **घटनाक्रम:** चंद्रधर अपने कम वेतन और समाज में सम्मान की कमी से असंतुष्ट रहते थे, जबकि दारोगा और मुंशी ऊपरी कमाई से ऐश करते थे।
    - **मोड़ (Turning Point):** अयोध्या यात्रा के दौरान जब दारोगा और मुंशीजी को कोई सहायता नहीं मिली, तब पंडित चंद्रधर के एक भूतपूर्व छात्र ने उन्हें पहचानकर पूरे समूह का आदर-सत्कार किया और रहने-खाने की व्यवस्था की।
    - **'बोध' (आत्म-साक्षात्कार):** पंडित चंद्रधर को अहसास हुआ कि शिक्षक का पेशा धन भले न दे, पर सच्चा सम्मान और आदर दिलाता है।

4.शब्दार्थ एवं व्याकरण अभ्यास (Vocabulary & Grammar):

- कठिन शब्दों के अर्थ श्यामपट्ट पर लिखें:
    - **बोध:** ज्ञान / अहसास / चेतना
    - **वेतन:** मासिक आय / तनख्वाह
    - **आदर-सत्कार:** सम्मान / मेहमाननवाज़ी
    - **ग्लानि:** पश्चाताप / दुख
- व्याकरण बिंदु: लिंग-परिवर्तन, विलोम शब्द और वाक्य-प्रयोग।

5. मूल संदेश एवं निष्कर्ष (Core Message)

शिक्षक ध्यान दें: विद्यार्थियों को यह स्पष्ट करें कि **'बोध'** कहानी का मुख्य संदेश यह है कि **निस्वार्थ भाव से दी गई शिक्षा और ज्ञान का मूल्य धन या पद से कहीं अधिक बड़ा होता है।** सच्चा सम्मान डराकर या रिश्वत से नहीं, बल्कि चरित्र और सेवा से अर्जित किया जाता है।

6. लघु प्रश्न और उत्तर:-(दो या तीन वाक्यो में)

प्रश्न 1. पंडित चंद्रधर किस पद पर कार्यरत थे और वे असंतुष्ट क्यों रहते थे?

उत्तर: पंडित चंद्रधर एक प्राथमिक विद्यालय में अध्यापक (शिक्षक) के पद पर कार्यरत थे। वे अपने काम से इसलिए असंतुष्ट रहते थे क्योंकि उनका वेतन बहुत कम था और उनके पड़ोसी (दारोगा व सिपाही) ऊपरी कमाई से ऐश करते थे, जबकि उन्हें दिन-रात मेहनत के बाद भी सम्मानजनक आर्थिक स्थिति नहीं मिलती थी।

प्रश्न 2. मुंशी बैजनाथ और ठाकुर अतिबल सिंह कौन थे?

उत्तर: मुंशी बैजनाथ पुलिस विभाग में मुंशी (सिपाही) थे और ठाकुर अतिबल सिंह पुलिस थाने में दारोगा थे। ये दोनों पंडित चंद्रधर के पड़ोसी थे और अपनी असंवैधानिक ऊपरी कमाई (रिश्वत) के बल पर ठाठ-बाठ से जीवन जीते थे।

प्रश्न 3. अयोध्या यात्रा के दौरान मुंशी बैजनाथ और दारोगाजी को किस समस्या का सामना करना पड़ा?

उत्तर: अयोध्या यात्रा के दौरान मुंशी बैजनाथ बीमार पड़ गए, लेकिन उनकी पुरानी कड़वी आदतों और रोबदार व्यवहार के कारण किसी भी गाड़ीवाले या सरायवाले ने उनकी मदद नहीं की। दारोगाजी को भी अपने पद का कोई लाभ नहीं मिला और उन्हें भारी कठिनाई उठानी पड़ी।

प्रश्न 4. अयोध्या में पंडित चंद्रधर और उनके साथियों की मदद किसने और क्यों की?

उत्तर: अयोध्या में पंडित चंद्रधर के एक भूतपूर्व छात्र (कृपाशंकर) ने उन सभी की मदद की। उसने पंडितजी के चरण स्पर्श किए और पूरे समूह के रहने तथा खाने-पीने की उत्तम व्यवस्था की, क्योंकि वह पंडितजी द्वारा दिए गए संस्कारों और शिक्षा के प्रति आदर व कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता था।

प्रश्न 5. पंडित चंद्रधर को अंततः किस बात का 'बोध' हुआ?

उत्तर: पंडित चंद्रधर को यह बोध (ज्ञान) हुआ कि शिक्षक का पद धन भले न दे, परंतु सच्चा सम्मान, आदर और कृतज्ञता केवल इसी पेशे से प्राप्त होती है। पुलिस व मुंशी पद का डर लोगों को झुकाता है, पर शिक्षक का पद लोगों के दिलों में आदर जगाता है।

7. एक वाक्य में प्रश्न और उत्तर:

प्रश्न 1. 'बोध' कहानी के लेखक कौन हैं?

उत्तर: 'बोध' कहानी के लेखक मुंशी प्रेमचंद हैं।

प्रश्न 2. पंडित चंद्रधर किस पद पर काम करते थे?

उत्तर: पंडित चंद्रधर एक प्राथमिक विद्यालय में अध्यापक (शिक्षक) के पद पर काम करते थे।

प्रश्न 3. पंडित चंद्रधर का मासिक वेतन कितना था?

उत्तर: पंडित चंद्रधर का मासिक वेतन केवल पंद्रह रुपये था।

प्रश्न 4. पंडित चंद्रधर अपने अध्यापक पद से क्यों दुखी रहते थे?

उत्तर: पंडित चंद्रधर कम वेतन और समाज में आर्थिक तंगी के कारण अपने अध्यापक पद से दुखी रहते थे।

प्रश्न 5. पंडित चंद्रधर के पड़ोस में कौन-कौन रहते थे?

उत्तर: पंडित चंद्रधर के पड़ोस में मुंशी बैजनाथ (सिपाही) और ठाकुर अतिबल सिंह (दारोगा) रहते थे।

प्रश्न 6. पंडित चंद्रधर और उनके पड़ोसी किस धार्मिक स्थल की यात्रा पर गए थे?

उत्तर: पंडित चंद्रधर और उनके पड़ोसी अयोध्या की यात्रा पर गए थे।

प्रश्न 7. यात्रा के दौरान कौन बीमार पड़ गया था?

उत्तर: यात्रा के दौरान मुंशी बैजनाथ बीमार पड़ गए थे।

प्रश्न 8. अयोध्या में पंडित चंद्रधर को उनका कौन सा छात्र मिला?

उत्तर: अयोध्या में पंडित चंद्रधर को उनका भूतपूर्व छात्र कृपाशंकर मिला।

प्रश्न 9. कृपाशंकर ने पंडित चंद्रधर और उनके साथियों के लिए क्या किया?

उत्तर: कृपाशंकर ने पंडित चंद्रधर के चरण छूकर सभी यात्रियों के ठहरने और भोजन की उत्तम व्यवस्था की।

प्रश्न 10. अंत में पंडित चंद्रधर को किस बात का 'बोध' हुआ?

उत्तर: अंत में पंडित चंद्रधर को यह बोध हुआ कि शिक्षक का पद ही समाज में सच्चा आदर और सम्मान दिलाता है।

8. मूल्यांकन एवं गृहकार्य (Assessment & Homework)

बोधात्मक प्रश्न (Classroom Assessment):

1. पंडित चंद्रधर अपने पेशे से असंतुष्ट क्यों रहते थे?
2. अयोध्या यात्रा के दौरान मुंशी बैजनाथ और दारोगाजी को किन परेशानियों का सामना करना पड़ा?
3. पंडित चंद्रधर को किस घटना से अपने पद की गरिमा का 'बोध' हुआ?

गृहकार्य (Homework Assignment):

- पाठ में आए मुख्य पात्रों के चरित्र की तुलनात्मक तालिका तैयार कीजिए।
- "शिक्षक का समाज में स्थान" विषय पर 80-100 शब्दों में एक संक्षिप्त अनुच्छेद लिखिए।

देशप्रेमी संन्यासी

➢ लेखक परिचय

डॉ. रामकुमार वर्मा हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध नाटककार, एकांकीकार, आलोचक तथा निबंधकार थे। उनका जन्म 15 सितम्बर 1905 को मध्य प्रदेश के सागर में हुआ। उनकी रचनाओं में देशभक्ति, भारतीय संस्कृति, नैतिकता तथा प्रेरणादायक विचारों का समावेश मिलता है। उनकी भाषा सरल, प्रभावशाली और प्रेरक है। हिंदी साहित्य में उनके योगदान के लिए उन्हें अनेक सम्मान प्राप्त हुए।

➢ पाठ का परिचय

इस पाठ में स्वामी विवेकानन्द के व्यक्तित्व, देशप्रेम, त्याग, राष्ट्रसेवा तथा भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार का वर्णन किया गया है। उन्होंने विश्व मंच पर भारत की आध्यात्मिक संस्कृति का गौरव बढ़ाया और युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया।

➢ अध्ययन उद्देश्य

- स्वामी विवेकानन्द के जीवन एवं व्यक्तित्व को समझ सकेंगे।
- देशभक्ति और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करेंगे।
- भारतीय संस्कृति के महत्व को जान सकेंगे।
- पाठ का भावार्थ अपने शब्दों में व्यक्त कर सकेंगे।

➢ पूर्व ज्ञान

- स्वामी विवेकानन्द कौन थे?
- उन्होंने भारत के लिए क्या कार्य किए?
- देशप्रेम का क्या महत्व है?

➢ शिक्षण-अधिगम सामग्री (TLM)

- पाठ्यपुस्तक
- स्वामी विवेकानन्द का चित्र
- भारत का मानचित्र

- ब्लैकबोर्ड एवं चॉक
- स्मार्ट बोर्ड/चार्ट

शिक्षण प्रक्रिया

➢ **प्रस्तावना**

शिक्षक विद्यार्थियों से प्रश्न पूछेंगे–

- क्या आप स्वामी विवेकानन्द के बारे में जानते हैं?
- देशप्रेमी व्यक्ति में कौन-कौन से गुण होने चाहिए?

➢ इसके बाद शिक्षक पाठ का आदर्श वाचन करेंगे।

➢ **व्याख्या**

शिक्षक पाठ के माध्यम से बताएँगे कि स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय संस्कृति, वेदांत और मानवता का संदेश पूरे विश्व में पहुँचाया। उन्होंने युवाओं को आत्मविश्वास, परिश्रम, सेवा और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया तथा भारत के गौरव को विश्वभर में स्थापित किया।

केंद्रीय भाव

यह पाठ विद्यार्थियों में देशप्रेम, आत्मविश्वास, सेवा-भाव, राष्ट्रभक्ति और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित करता है।

➢ **जीवन मूल्य**

- देशप्रेम
- आत्मविश्वास
- सेवा-भाव
- अनुशासन
- राष्ट्र निर्माण की भावना

➢ **मूल्यांकन प्रश्न**

- देशप्रेमी संन्यासी किसे कहा गया है?
- स्वामी विवेकानन्द ने विश्व में किसका प्रचार किया?
- इस पाठ से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?
- स्वामी विवेकानन्द युवाओं को क्या संदेश देते हैं?
- पाठ का मुख्य उद्देश्य क्या है?

➢ **गृहकार्य**

"स्वामी विवेकानन्द के जीवन से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?" विषय पर लगभग 100 शब्दों में लिखिए।

शिक्षक हेतु निष्कर्ष

विद्यार्थियों को समझाएँ कि सच्चा देशप्रेम केवल शब्दों में नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने, समाज की सेवा करने और राष्ट्र के विकास में योगदान देने में है। स्वामी विवेकानन्द का जीवन युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।



कवि परिचय
महादेवी वर्मा





महादेवी वर्मा

(1907-1987)

महादेवी वर्मा का जन्म उत्तरप्रदेश के **फर्रुखाबाद** शहर में सनू **1907** को हुआ।



उन्होंने जीवन और जगत को निकट से देखा। केवल मनुष्य ही नहीं, अपितु जीव-जन्तुओं तक के सुख-दु:ख को उन्होंने पहचाना, अनुभव किया; समाज में फैंले अनाचार, अत्याचार और विषमता का अनुभव किया; लोगों की आशा-आकांक्षा, इच्छा-अभिलाषा, पीड़ा-वेदना को समझा।





नारी को उन्होंने **दीपशिखा** कहा, जो खुद जलकर सबको आलोक प्रदान करती हैं।

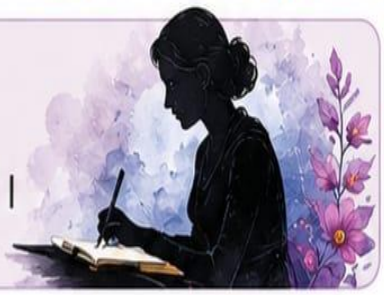


वह **नीरभरी दु:ख की बदली** हैं।

महादेवी **प्यार** और **पीड़ा** की लेखिका हैं। इसलिए उनके काव्य अत्यन्त तरल और मार्मिक बन गये।



वे छायावाद युग की **प्रख्यात कवयित्री** हो गयीं।



➢ अध्यापन-बिंदु

- ❖ गिल्लू का परिचय एवं उसकी जीवन-यात्रा।
- ❖ लेखिका एवं गिल्लू के मध्य आत्मीय संबंध।
- ❖ जीव-जंतुओं के प्रति करुणा, ममता एवं संरक्षण की भावना।
- ❖ प्रकृति, प्रेम और सह-अस्तित्व का संदेश।
- ❖ संवेदनशीलता एवं मानवीय मूल्यों का महत्व।
- ❖ कहानी की भाषा-शैली एवं भावात्मक अभिव्यक्ति।

➢ शिक्षण-विधि

- ❖ शिक्षक कहानी का भावपूर्ण वाचन कराते हुए घटनाक्रम को क्रमबद्ध रूप में स्पष्ट करें। प्रश्नोत्तर, चर्चा, व्याख्या तथा उदाहरण-विधि के माध्यम से विद्यार्थियों को कहानी के भाव से जोड़ें। विद्यार्थियों को अपने आसपास के पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर विचार-विमर्श करने के लिए प्रेरित करें।

➢ शिक्षकों हेतु विशेष निर्देश

- ❖ अध्यापन के समय शिक्षक विद्यार्थियों को यह स्पष्ट करें कि 'गिल्लू' केवल एक गिलहरी की कहानी नहीं, बल्कि समस्त प्राणी-जगत के प्रति प्रेम, करुणा एवं सह-अस्तित्व की भावना का सशक्त संदेश देने वाली रचना है। विद्यार्थियों को यह समझाएँ कि प्रत्येक जीव का जीवन समान रूप से मूल्यवान है तथा मनुष्य का नैतिक दायित्व है कि वह निर्बल एवं असहाय प्राणियों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करे। साथ ही, महादेवी वर्मा की संवेदनशील लेखनी, प्रकृति-प्रेम तथा मानवीय दृष्टि पर विशेष प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों में नैतिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय चेतना के विकास का प्रयास करें।

➢ बहुविकल्पीय प्रश्न और उत्तर (MCQ's)

1.लघु पुराण किसे कहा गया है

A. कौवा
C. गिल्लू
B. मयूर
D. हंस

2.एक साथ समादरित, अनादरित अति सम्मानित, अति अवमनित कौन है

A. प्रियजन
C. लेखिका
B. काक-भुशंडी
D. गिल्ल

3.कितने घंटो के उपचार के बाद एक बूंद पानी टपकाया जा सका

A. दो
C. तीन
B. एक
D. चार

4.गिल्लू का नित्य का क्रम कैसा था

A. दिन भर इधर-उधर उछल कूद करता रहता था
C. दिन भर अपने घर में पड़ा सोया रहता था
B. सुबह निकल कर बाहर की गिलहरियों से खेलते और शाम को लौट आता था
D. गिल्लू लेखिका के पैरों के पास आकर फिर तुरंत पर्दे पर चढ़ जाता फिर तेजी से उतरता था

5.दो कौवे कैसा खेल खेल रहे थे

A. दौड़ लगाने का
C. खाना खाने का
B. छूआ-छुऔवल
D. गेंद का

6.लेखिका के कमरे में किसकी गंध हौले हौले आने लगी

A. सोनजुही
C. नीम -चमेली
B. बसंत
D. गुलाब

7.गिल्लू का कौन सा खाद्य प्रिय खाद्य था

A. चावल
C. केला
B. बिस्कुट
D. काजू

8.गिलहरियों के जीवन की अवधि कितने वर्ष से अधिक नहीं होती

A. एक
B. दो
C. तीन
D. चार

9.लेखिका की अस्वस्थता में गिल्लू कहां बैठता था

A. लेखिका के कंधे पर
B. लेखिका की गोद में
C. लेखिका के पैरों में
D. लेखिका के तकिए पर सिरहाने

10.गिल्लू को कहां समाधि दी गई थी

A. सोनजुही की लता के नीचे
B. नीम के नीचे
C. चमेली के नीचे
D. बरामदे में

11. हमारे पुरखे क्या बनकर नहीं आ सकते

A. गरुड़ कौवा हंस
B. गरुड़ कौवा मयूर
C. मयूर कौवा हंस
D. गरुड़ मयूर या हंस

12.गिल्लू की किस बात पर सबको आश्चर्य होता था ?

A. उछलकूद और शैतानी पर
B. लताओं में छिपने और अकस्मात प्रकट होने पर
C. समझदारी और कार्यकलाप पर
D. पर्दे पर तेजी से चढ़कर और उसी तेजी से उतरने पर

13.गिल्लू लेखिका को कैसे चौंकाता था ?

A. कभी फूलदान के फूलों में कभी परदे की सलवटों में तो कभी सोनजुही की पत्तियों में छिपकर
B. कभी लिफाफे में, कभी किताबों में तो कभी तकिए के
C. कभी परदे से कुदकर, कभी छत से कुदकर तो कभी पेड़ से कुद कर
D. कभी कन्धे पर चढ़कर, कभी बरामदे में छौड़कर तो कभी बिस्तर के नीचे छुपकर

14.पुरखों को पितरपक्ष में हमसे कुछ पाने के लिए क्या बनकर ही अवतीर्ण होता पडता है ?

A. मयूर
C. हंस
B. काक उत्कुाने
D. गरूड उत्कृछ

15.गिल्लू कितने वर्ष कवयित्री के घर पर रही ?

A. एक
C. तीन
B. दो
D. पाँच

16.गिल्लू किसका नेता बनकर हर डाल पर उच्छलता-कूदता रहता था ?

A. कौवा का
B. गिलहरियों का
C. कबूतर का
D. हँस का

➢ विशेष अध्ययन के लिए प्रश्नोत्तर-

1.सोनजुही में लगी पीली कली को देखकर लेखिका के मन में कौन से विचार उमड़ने लगे? [2024]

2.गिल्लू का कार्यकलाप कैसा था? पाठ के आधार पर लिखिए? [2026]

3.गिल्लू की लेखिका को चौकाने की इच्छा के बारे में क्या कहा गया है?[2018]

4.गिल्लू को सोनजुही की लता के नीचे क्यों समाधि दी गई?[2023]

5.लेखिका के कॉलेज से लौटने पर गिल्लू क्या करता था? [2023]

1. मॉड्यूल एवं पाठ का सामान्य परिचय (Lesson Overview)

विषय / पैरामीटर	विवरण
बोर्ड एवं कक्षा	BSE ओडिशा (Board of Secondary Education, Odisha), कक्षा 10वीं
पुस्तक का नाम	हिंदी सौरव (Hindi Sourav)
पाठ का नाम एवं संख्या	पाठ - 5 (गद्य): **'जननी जन्मभूमि'**
विधा (Genre)	विचारात्मक निबंध (Philosophical / Patriotic Essay)
मूल विषयवस्तु	देशभक्ति, मातृभूमि का महत्व, जननी और जन्मभूमि की श्रेष्ठता तथा देश के प्रति नागरिकों के कर्तव्य।

1. सामान्य जानकारी

- पाठ का नाम: जननी जन्मभूमि
- विधा: निबंध
- विषय: ओडिशा की संस्कृति, इतिहास, गौरव एवं देशप्रेम
- शिक्षण अवधि

2. अधिगम उद्देश्य

पाठ के अध्ययन के बाद विद्यार्थी—

- 'जननी जन्मभूमि' के महत्व को समझेंगे।
- ओडिशा के इतिहास एवं सांस्कृतिक गौरव का वर्णन कर सकेंगे।
- देशभक्ति एवं मातृभूमि के प्रति सम्मान की भावना विकसित करेंगे।
- पाठ से संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिख सकेंगे।
- नए शब्दों एवं मुहावरों का सही प्रयोग कर सकेंगे।

3. पूर्व ज्ञान

शिक्षक विद्यार्थियों से निम्न प्रश्न पूछें—

- आपकी जन्मभूमि कौन-सी है?
- ओडिशा का प्राचीन नाम क्या था?
- सम्राट अशोक और कलिंग युद्ध के बारे में आप क्या जानते हैं?

4. शिक्षण सामग्री

- हिन्दी सौरभ पाठ्यपुस्तक
- भारत एवं ओडिशा का मानचित्र
- स्मार्ट बोर्ड/प्रोजेक्टर
- ओडिशा के ऐतिहासिक स्थलों के चित्र
- श्यामपट्ट एवं चॉक

5. शिक्षण प्रक्रिया

(क) प्रस्तावना

- "जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी" का अर्थ बताकर चर्चा प्रारम्भ करें।
- विद्यार्थियों से अपने गाँव, राज्य एवं देश के प्रति प्रेम व्यक्त करने को कहें।

(ख) आदर्श वाचन

- शिक्षक स्पष्ट उच्चारण एवं उचित भाव के साथ पाठ का वाचन करेंगे।

(ग) सामूहिक वाचन

- विद्यार्थियों से अनुच्छेदवार वाचन करवाएँ।
- कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण कराएँ।

(घ) व्याख्या

निम्न बिंदुओं पर विशेष चर्चा करें—

- ओडिशा के प्राचीन नाम
- कलिंग युद्ध एवं सम्राट अशोक
- गजपति राजाओं का गौरव
- ओडिशा की कला एवं संस्कृति
- आधुनिक ओडिशा का विकास एवं औद्योगिक प्रगति

6. कठिन शब्द

- जननी
- जन्मभूमि
- गौरव
- प्रगति
- साम्राज्य
- संस्कृति
- उत्कल
- कलिंग
- कोशल
- जिज्ञासा
- रक्षा सामग्री

7. शब्दार्थ

- जननी — माता
- जन्मभूमि — जन्म लेने का स्थान
- गौरव — सम्मान
- साम्राज्य — विशाल राज्य
- जिज्ञासा — जानने की इच्छा
- उत्कल — ओडिशा का प्राचीन नाम

8. शिक्षण विधियाँ

- व्याख्यान विधि
- प्रश्नोत्तर विधि
- चर्चा विधि
- मानचित्र प्रदर्शन
- समूह कार्य

9. मूल्यबोध

- मातृभूमि के प्रति प्रेम
- राष्ट्रीय एकता
- देशभक्ति
- सांस्कृतिक विरासत का सम्मान
- पर्यावरण एवं ऐतिहासिक धरोहरों की रक्षा

10 .सार मूल्यबोध

- हमें अपनी जन्मभूमि से सच्चा प्रेम करना चाहिए।
- अपने देश और राज्य के इतिहास पर गर्व करना चाहिए।
- पूर्वजों के त्याग और बलिदान को कभी नहीं भूलना चाहिए।
- देश की उन्नति के लिए प्रत्येक नागरिक को अपना योगदान देना चाहिए।
- परिश्रम, साहस और एकता से राष्ट्र का विकास होता है।
- अपनी संस्कृति, कला और परंपराओं का सम्मान करना चाहिए।
- शिक्षा और विज्ञान से समाज तथा देश की प्रगति संभव है।
- देशभक्ति केवल भावना नहीं, बल्कि कर्म से भी प्रकट होनी चाहिए।
- हमें अपने राज्य और देश की समृद्धि के लिए ईमानदारी से कार्य करना चाहिए।

11. कक्षा गतिविधियाँ

1. ओडिशा का मानचित्र बनाइए।
2. कलिंग युद्ध पर पाँच वाक्य लिखिए।
3. "मेरी जन्मभूमि" विषय पर 100 शब्दों का अनुच्छेद लिखिए।
4. ओडिशा की प्रसिद्ध कला एवं पर्यटन स्थलों की सूची बनाइए।

12. मूल्यांकन प्रश्न

लघु उत्तरीय

1. ओडिशा का प्राचीन नाम क्या था?

उत्तर: ओडिशा के प्राचीन नाम कलिंग, उत्कल और ओड्र थे। इनमें से 'कलिंग' सबसे प्रसिद्ध और प्राचीन नाम माना जाता है।

2. कलिंग युद्ध किसके बीच हुआ?

उत्तर: कलिंग युद्ध 261 ईसा पूर्व में मगध के सम्राट अशोक और कलिंग के स्वतंत्र राज्य के बीच हुआ था। इस युद्ध में भारी रक्तपात और जन-धन की हानि हुई थी।

3. "जननी जन्मभूमि" का अर्थ क्या है?

उत्तर: "जननी जन्मभूमि" का अर्थ है जन्म देने वाली माता और वह धरती जहाँ हमारा जन्म हुआ है। यह दोनों ही हमारे लिए पूजनीय और स्वर्ग से भी बढ़कर श्रेष्ठ होती हैं।

4. लेखक ने ओडिशा की महानता का वर्णन कैसे किया?

उत्तर: लेखक ने ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, कलिंग वीरों के शौर्य और जगन्नाथ संस्कृति की पावनता का उल्लेख करके इसकी महानता का वर्णन किया है। साथ ही, यहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक गौरव को भी रेखांकित किया है।

5. कलिंग युद्ध का भारतीय इतिहास में क्या महत्व है?

उत्तर: कलिंग युद्ध भारतीय इतिहास का एक महान मोड़ था, क्योंकि इसके भीषण विनाश को देखकर सम्राट अशोक का हृदय परिवर्तन हो गया था। उन्होंने युद्ध नीति को त्यागकर अहिंसा, धर्म-विजय और बौद्ध धर्म को अपना लिया था।

6. "जननी जन्मभूमि" पाठ का सार अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर: यह पाठ हमें सिखाता है कि मातृभूमि का अन्न-जल ग्रहण करके बड़े होने के कारण हम पर उसका अनगिनत ऋण होता है। अपनी जन्मभूमि का सम्मान करना और उसकी उन्नति तथा रक्षा के लिए समर्पित रहना ही सच्चे नागरिक का धर्म है।

7. इस पाठ से हमें कौन-कौन से जीवन-मूल्य प्राप्त होते हैं?

उत्तर: इस पाठ से हमें निष्ठावान देशभक्ति, अपनी संस्कृति के प्रति गौरव और मातृभूमि के प्रति कृतज्ञता के जीवन-मूल्य प्राप्त होते हैं। यह हमें अपनी जन्मभूमि की सेवा और रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा देता है।

8. इस दुनिया को विचित्र क्यो। कहा जाएगा?

उत्तर: एस दुनिया को विचित्र कहा गया है क्योंकि यहाँ बडे-बडे पहाड. है। घने जन्गल है। भाँन्ति-भाँन्ति के पेड-पौधे, पशु-पक्षी, नर-नारी है। भले-बुरे सब है । यह बिबिधता का भण्डार है।

9. धर्माशोक ने क्या किया?

उत्तर: अशोक कलिन्ग के सैंनिकों के आगे घबरा । वह धर्माशोक बन गया। युद्ध छोड दिया, तलवार फ़ेंक दी । अपनी जानें दी, मगर जमीने नहीं दी। धौली के शिला लेख उसका बयान करते ।

10. 'उत्कल' का क्या अर्थ है?

उत्तर: उत्कल का अर्थ है-ओडिशा उत्क्रुष्ट कलाऔं का देश है । कलाऔं के क्षेत्र में ओडिशा की एक अलग पहचान है । उत्कल के नाम से ओडिशा को पूरी दुनिया में पहचाना जाता है ।

एक-दो वाक्यों मे उत्तर:-

1. 'जननी' का क्या अर्थ है?

उत्तर: 'जननी' का अर्थ माता है।

2. 'जन्मभूमि' किसे कहते हैं?

उत्तर: जहाँ मनुष्य का जन्म होता है, उसे जन्मभूमि कहते हैं।

3. राउरकेला किस लिए प्रसिद्ध है?

उत्तर: राउरकेला इस्पात (लोहे) के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है।

4. चाँदीपुर और बड़माल में क्या बनने लगा?

उत्तर: चाँदीपुर और बड़माल में आधुनिक रक्षा सामग्री बनने लगी।

5. ओड़िया साधव समुद्री यात्रा के समय क्या कहते थे?

उत्तर: वे "आ का मा भै" कहते थे।

6.संसार निराला क्यों है?

उत्तर: यह संसार हर पल बदलता है। यह बिबिधता भण्डार है।इसीलिए संसार निराला है।

7.कलिन्ग की ख्याति क्यौं बडी?

उत्तर: आपनी बिरता के कारण वे इतिहास में अपना एक स्बंतन्त्र ख्याति रख दिए.

8.धउळी के शिलालेख क्या कहते ?

उत्तर:-धउली के शीळालेख कलिन्ग वीरों का इतिहास कहते हैं.

13. गृहकार्य

- "जननी जन्मभूमि" पर 150 शब्दों का निबंध लिखिए।
- ओडिशा के पाँच ऐतिहासिक स्थलों के चित्र एकत्र कर उनका संक्षिप्त परिचय लिखिए।

14. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

विद्यार्थी—

- पाठ का भावार्थ स्पष्ट रूप से बता सकेंगे।
- ओडिशा के इतिहास एवं संस्कृति का वर्णन कर सकेंगे।
- पाठ से संबंधित प्रश्नों के उत्तर आत्मविश्वास के साथ लिख सकेंगे।
- मातृभूमि के प्रति सम्मान एवं देशभक्ति की भावना विकसित करेंगे।